

जापान का SLIM मून मशिन

स्रोत: [PhysOrg](#)

हाल ही में जापान की अंतरिक्ष एजेंसी, JAXA ने अपने चंद्र लैंडर, स्मार्ट लैंडर फॉर इन्वेस्टिगटिंग मून (Smart Lander for Investigating Moon-SLIM), जिसे "मून स्नाइपर" के नाम से भी जाना जाता है, से संपर्क टूट जाने के बाद उसका परचालन समाप्त कर दिया है।

- SLIM अंतरिक्ष यान के साथ संपर्क स्थापित करने के कई प्रयास विफल होने के बाद यह ऑपरेशन रोक दिया गया।

SLIM के बारे में:

- SLIM एक छोटे पैमाने का चंद्र लैंडर है, जिसे सटीक लैंडिंग, कम आकार और वजन वाले उपकरणों तथा चंद्रमा की उत्पत्ति का अन्वेषण करने के लिये डिज़ाइन किया गया है।
- यह एक मानवरहित अंतरिक्ष यान था, जिसका उद्देश्य भविष्य में सौर प्रणाली अन्वेषण के लिये आवश्यक नमिन-गुरुत्व अन्वेषण प्रौद्योगिकी का परीक्षण करना था।
- चंद्रमा की सतह पर बहुत सटीकता से उतरने की क्षमता के कारण इसे "मून स्नाइपर" उपनाम दिया गया था।
- जनवरी 2024 में इसने चंद्रमा पर सॉफ्ट लैंडिंग की और यह उपलब्धि हासिल करने वाला जापान पाँचवा देश बन गया।
 - अन्य देश जो सफलतापूर्वक चंद्र सतह पर उतरने में सफल हुए हैं, वे हैं भारत, रूस, संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन।
- इसरो के चंद्रयान-3 मशिन ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सफलतापूर्वक लैंडर की सॉफ्ट लैंडिंग कराई।

चंद्रयान-3 मिशन



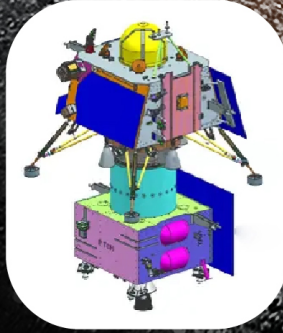
Drishti IAS

लॉन्च तिथि : 14 जुलाई, 2:35 PM

स्थान : सतीश धवन अन्तरिक्ष केंद्र

लैंड तिथि : 23 अगस्त, 2023

उद्देश्य : इंटरप्लेनेटरी मिशनों के लिये आवश्यक नई प्रौद्योगिकियों को विकसित करना और प्रदर्शित करना है।



चंद्रयान 3 के तीन घटक

प्रणोदन मॉड्यूल - लैंडर और रोवर को 100 किमी. चंद्रमा के ऑर्बिटर तक ले जाएगा।

लैंडर - सॉफ्ट लैंडिंग करने और रोवर को तैनात करने की क्षमता

रोवर - चंद्रमा पर घूमते हुए अन्वेषण करना

नोट : यदि यह मिशन सफल रहता है तो चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सॉफ्ट-लैंड करने वाला दुनिया का पहला मिशन बन जाएगा।

और पढ़ें: [चंद्रयान-3 : अंतरिक्ष नेतृत्व के लिये भारत की अनविरयता](#)